7

राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान

'वंदेमातरम्' 1882 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखा गया भारत का राष्ट्रीय गीत है। मूलत: यह बांग्ला एवं संस्कृत दो भाषाओं में था। राष्ट्रीयगीत किसी भी राष्ट्रीय अवसार पर गाया जाता है। इस गीत ने भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित किया। सर्वप्रथम इसे 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की एक राजनैतिक सभा में गाया गया। कुछ आधिकारिक निर्देशों को छोड़कर इस गीत का दर्जा राष्ट्र गान के समान है। 'वंदेमातरम्' का नारा देश की स्वतंत्रता के संघर्ष के समय राष्ट्रीय आंदोलकारियों व नेताओं का मूल मंत्र था। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास आनन्द मठ' में यह रचना उल्लेखित है।

उद्देश्य

पाठ के अभ्यास के पश्चात् विद्यार्थी:

- राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान की पृष्ठ भूमि का वर्णन कर सकेंगे;
- राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के बोलों का वर्णन कर सकेंगे;
- राष्ट्रगान गाते समय उसके नियमों का वर्णन कर सकेंगे;
- राष्ट्रगान को उचित लय और ताल में गा पायेंगे।

''वंदेमातरम्''

शब्दकार–बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय

वन्दे मातरम्, वन्दे मातरम्!!
सुजलां सुफलां, मलयज शीतलाम्
शस्य श्यामलां मातरम्; वन्दे मातरम्।

शुभ्र-ज्योत्स्नापुलकितयामिनीम्
फुल्ल-कुसुमितां-द्रुम-दल शोभिनीम्।
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्
सुखदां, वरदां, मातरम्
वंदे मातरम्, वंदे मातरम्!!

टिप्पणी

वन्दे मातरम्

ताल–कहरवा

स्थायी

x		0		x		0		x		0		x		0	
सा	रे	–म	पम	प	–	–	–	म	प	–नि	सांनि	सांसां	–	–	–
व	न्दे	ऽमा	ऽत	रम्	ऽ	ऽ	ऽ	व	न्दे	ऽमा	ऽत	रम्	ऽ	ऽ	ऽ
सारें	निऽ	धप	–प	पध	म	गरे	–रे	रेप	मम	गरे	–ग	सा	–	–	–सा
सुज	लाऽ	ऽऽ	ऽम	सुफ	ला	ऽऽ	ऽम्	मल	यज	शीऽ	ऽत	ला	ऽ	ऽ	ऽम
सा	रेम	पम	प	–प	निध	प	–	म	प	–नि	सांनि	सां	–	–	–
श	स्यश्या	ऽम्	लां	ऽमा	ऽत	रम्	ऽ	वं	दे	ऽमा	ऽत	रम्	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

x		0		x		0		x		0		x		0	
म	प	नि	नि	निनि	सांनि	सां	–नि	सां	–	नि	निनि	संनि	सां	सारें	सानि
शु	भ्र	ज्यो	त्स्ना	पुल	कित	या	ऽमि	नीम्	ऽ	फु	ल्लकु	सुमि	त	द्रुम	दल
	सां	ध													
निध	निध	प	–	रेरे	मग	रे	–	रेनि	धनि	धप	–ध	प	–	मप	नि
शोऽ	ऽभि	नीम्	ऽ	सुहा	ऽसि	नीम्	ऽ	सुम	धुर	भाऽ	ऽष	णीम्	ऽ	सुख	दां
निनि	नि	–नि	सांनि	सां	–	म	प	–नि	सांनि	सां	–	–	–	म	प
वर	दां	ऽमा	ऽत	रम्	ऽ	वं	दे	ऽमा	ऽत	रम्	ऽ	ऽ	ऽ	वं	दे
–नि	सांनि	सां	–	–	–										
ऽमा	ऽत	रम्	ऽ	ऽ	ऽ!!										

पाठगत प्रश्न 7.1

1. वंदेमातरम ..... गान है।
2. राष्ट्रगान दो भाषाओं में पाए जाते हैं ..... तथा ..... ।
3. वंदेमातरम गीत भारतीय स्वतंत्रता को ..... किया। सर्व प्रथम ..... कांग्रेस की सभा में गाया गया।

राष्ट्रगान

(जन गण मन अधिनायक)

भारत का राष्ट्रगान भारतीयों द्वारा विशिष्ट अवसरों पर गाया जाता है। राष्ट्रगान के प्रारंभ में 'जन गण मन' एवं अंत में 'जय हे' गाया जाता है। राष्ट्रगान की रचना रवीन्द्रनाथ टैगोर ने संस्कृत मिश्रित बंगाली में की है। राष्ट्रगान के बोल तथा संगीत दोनों ही सन् 1911 में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने तैयार किये। संविधान सभा में जन गण मन के पहले छंद को 24 जनवरी, 1950 को राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार किया है।

जन गण मन अधिनायक जय हे

–रवीन्द्र नाथ टैगौर

भारत भाग्य विधाता
पंजाब, सिन्धु, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल, बंग,
विन्ध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मागे
गाहे तव जय गाथा
जन गण मंगलदायक, जय हे
भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय जय हे।।

टिप्पणी

''जन गण मन अधिनायक''

ताल-कहरवा

स्थायी

x				x				x				x			
								सा				ग			
सा	रे	ग	ग	ग	ग	ग	ग	ग	–	ग	ग	रे	ग	म	–
ज	न	ग	ण	म	न	अ	धि	ना	ऽ	य	क	ज	य	हे	ऽ
म								सा							
ग	–	ग	ग	रे	–	रे	रे	नि़	रे	सा	–	–	–	सा	–
भा	ऽ	र	त	भा	ऽ	ग्य	वि	धा	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	पं	ऽ
सा										प	मं			ध	
प	–	प	प	–	प	प	प	प	–	प	मं	प	मं	प	–
जा	ऽ	ब	सि	ऽ	न्धु	गु	ज	रा	ऽ	त	म	रा	ऽ	ठा	ऽ
								ग							
म	–	म	म	म	–	म	ग	रे	म	ग	–	–	–	–	–
द्रा	ऽ	वि	ड़	उ	ऽ	त्क	ल	बं	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सा								रे				प			
ग	–	ग	ग	ग	–	ग	रे	प	प	प	म	म	–	म	–
वि	ऽ	न्ध्य	हि.	मा	ऽ	च	ल	य	मु	ना	ऽ	गं	ऽ	गा	ऽ
				ग				सा							
ग	–	ग	ग	रे	रे	रे	रे	नि़	रे	सा	–	–	–	–	–
उ	ऽ	च्छ	ल	ज	ल	धि	त	रं	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
								म							
ग	ग	ग	ग	ग	–	ग	म	रे	ग	म	–	–	–	–	–
त	व	शु	भ	ना	ऽ	में	ऽ	जा	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
मं				म				म							
ग	म	प	प	प	–	म	ग	रे	म	ग	–	–	–	–	–
त	व	शु	भ	आ	ऽ	शि	श	मा	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

टिप्पणी

x				x				x				x			
सा								रे							
ग	–	ग	–	रे	रे	रे	रे	नि़	रे	सा	–	–	–	–	–
गा	ऽ	हे	ऽ	त	व	ज	य	गा	ऽ	था	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सा												प		ध	
प	प	प	प	प	–	प	म	प	–	प	प	म॑	ध	प	–
ज	न	ग	ण	मं	ऽ	ग	ल	दा	ऽ	य	क	ज	य	हे	ऽ
				ग				ग							
म	–	म	म	म	–	ग	गम	रे	म	ग	–	–	–	नि	नि
भा	ऽ	र	त	भा	ऽ	ग्य	विऽ	धा	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ज	य
दि								ध							
सां	–	–	–	–	–	नि	ध	नि	–	–	–	–	–	प,	प
हे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ज	य	हे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ज	य
ध	–	–	–	–	–	–	–	सा	सा	रे	रे	ग	ग	रे	ग
हे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ज	य	ज	य	ज	य	ज	ज
म	–	–	–	–	–	–	–								
हे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

पाठगत प्रश्न 7.2

1. राष्ट्रगान के आरम्भिक स्वरों को लिखिए।
2. राष्ट्रगान के रचयिता कौन थे?
3. कविता में कौन-सा पद संविधान में राष्ट्रगीत के लिए चुना गया है?

आपने क्या सीखा

1. ''वन्दे मातरम्'' भारत का राष्ट्रगीत है, जिसे बंकिमचंद्र चटोपाध्याय ने लिखा है।
2. राष्ट्रगीत को किसी भी राष्ट्रीय अवसर पर गाया जाता है।
3. स्वतंत्रता संग्राम के लिए जूड़ाने वाले क्रांतिकारी एवं नेत्तत्व करने वाले नेताओं के लिए ''वन्देमातरम्'' एक मन्त्र है।
4. ''जन गण मन'', भारत का राष्ट्रगान है।
5. राष्ट्रगान की रचना कवि रविंद्रनाथ टैगोर ने संस्कृत मिश्रित बंगाली में रचना की है।

टिप्पणी

पाठांत प्रश्न

1. राष्ट्रगीत की पार्श्वभूमि का उद्देश्य लिखिए।
2. राष्ट्रगान के विषय में संक्षेप में लिखिए।
3. राष्ट्रगान के पद को लिखिए।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

7.1

1. राष्ट्रगीत
2. बंगाली, संस्कृत
3. प्रेरित, राष्ट्रीय

7.2

1. जन गण मन
2. कवि रविन्द्रनाथ ठाकुर
3. प्रथम पद